ISSN 2349-137X
UGC CARE-Listed Peer Reviewed

अनहद लोक

(प्रतिध्वनि कला एवं संस्कृति की)

वर्ष-9, अंक-17, 2023
(जनवरी - जून)
(अर्धवार्षिक शोध पत्रिका)

सम्पादक
डॉ॰ मधु रानी शुक्ला

सम्पादक मण्डल
डॉ॰ राजश्री रामकृष्ण, डॉ॰ मनीष कुमार मिश्रा,
डॉ॰ धनंजय चोपड़ा, डॉ॰ ज्योति सिन्हा

सह सम्पादक
सुश्री शाम्भवी शुक्ला

व्यंजना
आर्ट एण्ड कल्चर सोसाइटी
109 डी/4, अबुबकरपुर, प्रीतम नगर, सुलेम सरांय
प्रयागराज - 211011

अनहद लोक

(प्रतिध्वनि कला एवं संस्कृति की)

सम्पादक : डॉ॰ मधु रानी शुक्ला
सम्पादक मण्डल : डॉ॰ राजश्री रामकृष्ण, डॉ॰ मनीष कुमार मिश्रा, डॉ॰ धनंजय चोपड़ा, डॉ॰ ज्योति सिन्हा
सहायक सम्पादक : सुश्री शाम्भवी शुक्ला
मल्टीमीडिया सम्पादक : श्रेयस शुक्ला

प्रकाशक एवं वितरक :
व्यंजना (आर्ट एण्ड कल्चर सोसाइटी)
109 डी/4, अबुबकरपुर, प्रीतम नगर
सुलेम सरांय, प्रयागराज - 211 001
मो॰ : 9838963188, 8419085095
ई-मेल : anhadlok.vyanjana@gmail.com
वेबसाइट : vyanjanasociety.com/anhad_lok

मूल्य : 300/- प्रति अंक, पोस्टल चार्जेज अलग से
सदस्यता शुल्क
वार्षिक : 700/-
तीन वर्ष : 2,100/-
आजीवन : 15,000/-

संगीत नाटक अकादेमी के सहयोग से प्रकाशित

© सर्वाधिकार सुरक्षित
- रचनाकारों के विचार मौलिक हैं
- समस्त न्यायिक विवाद क्षेत्र इलाहाबाद न्यायालय होगा।

मुद्रक :
गोयल प्रिन्टर्स
73 A, गाड़ीवान टोला, प्रयागराज
फोन - 0532-2655513

मार्गदर्शन बोर्ड :

डॉ॰ सोनल मानसिंह, पं॰ विश्वमोहन भट्ट, प्रो॰ कमलेश दत्त त्रिपाठी, प्रो॰ ऋत्विक् सान्याल, प्रो॰ चित्तरंजन ज्योतिषि, पं॰ रोनू मजुमदार, पं॰ विजय शंकर मिश्र, प्रो॰ दीप्ति ओमचारी भल्ला, प्रो॰ के॰ शशि कुमार, प्रो॰ (डॉ॰) गुरप्रीत कौर, डॉ॰ राजेश मिश्रा

सहयोगी मण्डल :

प्रो॰ संगीता पंडित, प्रो॰ लावण्य कीर्ति सिंह 'काब्या', प्रो॰ निशा झा, प्रो॰ प्रभा भारद्वाज, प्रो॰ अर्चना अंभोरे, डॉ॰ राम शंकर, डॉ॰ इंदु शर्मा, डॉ॰ सुरेन्द्र कुमार, प्रो॰ भावना ग्रोवर, डॉ॰ स्नेहाशीष दास, डॉ॰ शान्ति महेश, डॉ॰ कल्पना दुबे, डॉ॰ बिन्दु के॰, डॉ॰ अभिसारिका प्रजापति, डॉ॰ पारुल पुरोहित वत्स

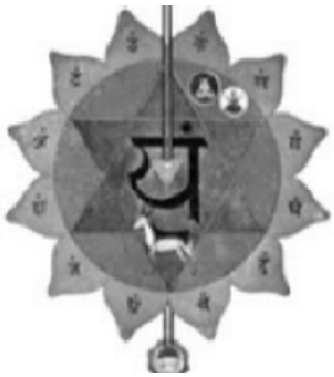

सम्पादकीय

'अनहद लोक' अंक 17 आप सभी को सौंपते हुए अत्यन्त हर्षित हूँ, आपकी मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रियाओं ने निश्चित रूप से उर्जा का संचार किया है, भविष्य में भी आप सभी की प्रतिक्रियाओं की अपेक्षा रहेगी।

भारत, इस वर्ष अपनी स्वतंत्रता की पचहत्तरवीं वर्षगाँठ मना रहा है, 15 अगस्त का दिन हर भारतवासी के लिए विशिष्ट होता है यह हमारे लिए राष्ट्रीय पर्व है जो हमें शहीदों को याद अनायास ही दिला जाता है जिन्होंने देश को आजाद करने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया हम कृतज्ञता के भाव से भर जाते हैं जहाँ सम्पूर्ण भारत आजादी के विभिन्न पक्षों पर अपने-अपने तरीके से भावनाओं को व्यक्त करते हैं वहीं फिल्मों ने अपना योगदान दिया है बॉलीवुड में भी देशभक्ति की भावना से जुड़ी कई फिल्में बनती आई हैं। ऐसी फिल्मों के गाने भी हमारे मन को उत्साह, उमंग तथा कृतज्ञता से भर देते हैं साथ ही देशभक्ति में सराबोर कर देते हैं इन सदाबहार गीतों को अक्सर सुना जाता है।

कवि प्रदीप का लिखा तथा सी॰ रामचन्द्र का संगीतबद्ध किया गीत **'ए मेरे वतन के लोगों ज़रा आँख में भर लो पानी, जो शहीद हुए हैं उनकी ज़रा याद करो कुर्बानी'** 1962 में भारत-चीन युद्ध में मारे गये सिपाहियों की याद में लिखा जिसे 27 जनवरी, 1963 में दिल्ली के नेशनल स्टेडियम में लता मंगेशकर ने गाया था। कहा जाता है कि जब सुर कोकिला, लता मंगेशकर ने प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के सामने एक कार्यक्रम के दौरान ये गाना गाया था तो उनकीं आंखें नम हो गई थीं सी॰ रामचंद्र ने इसका संगीत दिया था यह गीत हमें उन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति कृतज्ञता भाव से भर देता है जिन्होंनें हमारी आजादी के लिए हँसते-हँसते अपने प्राणों को न्योछावर कर दिया। कवि प्रदीप ने ही 1940 में बंधन के गीत को लिखा - **'चल-चल रे नौजवां'** ये भी बहुत ही सुन्दर तथा जोश भरने वाला गीत रहा।

1942 में गीतकार वंशीधर शुक्ला का लिखा आजाद हिन्द फौज का चर्चित गीत जिसकी संगीत संरचना राम सिंह ठाकुर ने की -

'कदम-कदम बढ़ाये जा खुशी के गीत गाये जा,
ये जिन्दगी है कौम की तू कौम पे लुटाए जा'

ये गीत जाबांज स्वतंत्रता सेनानियों के साथ जन-जन के होंठों पर छाया ये गीत 'राष्ट्रगान' की तरह गाया जाता था जो जोशोखरोश से भर देता था। वर्ष 1943 में सुपर हिट फिल्म किस्मत के गीत **'दूर हटो ए दुनिया वालों हिन्दुस्तान हमारा है'** के रचनाकार प्रदीप देश भक्ति के लिखने वाले प्रिय गीतकार हो गये

ब्रीटिश सरकार ने उनकी गिरफ्तारी के आदेश भी दिये थे। 1952 आनन्द मठ फिल्म में बंकिम चन्द्र चटर्जी द्वारा रचित वंदे मातरम् गीत को हेमन्त कुमार के संगीत निर्देशन में गाया लता मंगेशकर ने था। वन्दे मातरम् गीत भी अनेक कलाकारों द्वारा गाया गया कहीं फिल्मों में तो कहीं प्राईवेट एलबम्स में, ए. आर. रहमान, शंकर महादेवन सभी ने अपनी शैली में इसे गाया। ये गीत मूलतः तो बंगला भाषा में था किन्तु इसके गीत कई भाषाओं में अनुवाद हुए संस्कृत अनुवाद को फिल्म में लिया गया।

1954 की सुप्रसिद्ध फिल्म जागृति में गाना **'दे दी हमें आजादी बिना खड़ग बिना ढाल साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल'** हमारे बापू महात्मा गांधी को समर्पित है जिसे कवि प्रदीप द्वारा रचा गया जिसका संगीत संयोजन हेमन्त कुमार ने किया तथा आशा भोसले ने अपने सुरों से सजाया है। जागृति आजादी के कुछ वर्षों के बाद ही बनी जो संघर्ष लोगों ने किया था कितनी ही जानें गई वो घाव ताजा ही थे उसी वेदना को व्यक्त करते हुए बच्चों के लिए गीत रचा गया - **'हम लायें हैं तूफान से कश्ती निकाल के, इस देश को रखना मेरे बच्चों संभाल के'** जिसे संगीतबद्ध किया है हेमंत कुमार ने तथा मधुर कण्ठ से गाया है मोहम्मद रफ़ी ने। 1954 की दूसरी प्रसिद्ध फिल्म 'बूट पॉलिश' का एक बड़ा ही मधुर गीत है **'नन्हें-मुन्नें बच्चे तेरी मुट्ठी में क्या है'** - जिसे गाया था मोहम्मद रफी तथा आशा भोसले ने तथा शंकर जय किशन ने संगीतबद्ध किया था ये हर जाति, धर्म सम्प्रदाय के बच्चों का चर्चित गीत बन गया।

1957 में आई दिलीप कुमार की फिल्म **'नया दौर'** का प्रसिद्ध गीत है- **'ये देश है वीर जवानों का'** जो उर्जा, उत्साह, उमंग का ऐसा गीत बना आज भी विवाह जैसे मांगलिक अवसरों में 'बारात' के मध्य 'नाच' का गीत बन गया और लोग उसे हृदय से स्वीकार भी करते हैं। गाने को मोहम्मद रफी और बलबीर ने गाया था, साहिर लुधियानवी ने फिल्म के शब्द लिखे थे तथा इसका संगीत ओपी नैयर ने दिया था। वर्ष 1960 में ही एक फिल्म बनी **'जिस देश में गंगा बहती है'** इसका गीत अपने भारतवासियों की सहजता सरलता का बखान करता है-

होठों पे सच्चाई रहती है जहाँ

दिल में तन्हाई रहती है

हम उस देश के वासी हैं

जिस देश में गंगा बहती है।

इसको संगीतबद्ध किया था शंकर जय किशन ने तथा अपने मधुर कण्ठ से गाया मुकेश ने था।

'शहीद भगत सिंह' फिल्म भगत सिंह के योदगान को अविस्मरणीय बनाती है जिसमें उनके साथी राम प्रसाद बिस्मिल का लिखा गीत-

'सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है

देखना है जोर कितना बाजू-ए-कातिल में है'

आज भी रोमांचित कर जाता है इसका संगीत प्रेम धवन ने दिया था तथा गाया मन्ना डे, मोहम्मद रफ़ी तथा पुरूषोत्तम मराठे ने था।

शहीद भगत सिंह फिल्म जगत के लोक प्रिय किरदार रहे जिन्हें मुख्य भूमिका में रखते हुए कई फिल्में आज तक में बनी है- 1954 में शहीदे आज़म भगत सिंह, 1963 में शहीद भगत सिंह, 1965 में शहीद। वर्ष 2002 में भगत सिंह र दो फिल्में बनी द लिजेंड ऑफ भगत सिंह, वर्ष 2006 में 'रंग दे बसन्ती' बनी इनमें देश भक्ति पूर्ण गाने रचे गये- 'सरफरोशी की तमन्ना' सभी में रखा गया। 23 मार्च 1931, शहीद भगत सिंह फिल्म वर्ष 2002 में बनी फिल्म में 'मेरा रंग दे बसंती चोला' - गीत जिसे लिखा समीर ने तथा संगीत ए. आर. रहमान का है बहुत प्रसिद्ध हुआ।

'ऐ मेरे प्यारे वतन' - ये गीत 1961 में आई बलराज साहनी की फिल्म काबुलीवाला का है प्रेम धवन ने इसकी शब्द रचना की थी गाने को संगीतबद्ध सलिल चौधरी ने किया था गाने को आवाज मन्ना डे ने दी थी ये गीत आज भी सुनते ही मन भावुक होकर देश भक्ति की भावना में डूब जाता है। बच्चों को नये भारत के सृजन की ओर आकृष्ट करता गीत **'छोड़ो कल की बातें'**- साल 1961 में आई फिल्म **'हम हिंदुस्तानी'** का है ये गाना आज भी लोगों के बीच काफी प्रसिद्ध है इस गीत को मुकेश ने अपनी आवाज दी थी तथा शब्द प्रेम धवन ने लिखे थे। इसी वर्ष में गंगा जमुना फिल्म आई जिसमें लोक संस्कृति का भरपूर दिग्दर्शन होता है इस फिल्म का एक गाना बहुत चर्चित हुआ जिसमें बच्चों को उनकी भूमिका के प्रति ध्यानकर्षण का भाव है -

इंसाफ की डगर पे बच्चों दिखाओ

चलके ये देश है तुम्हारा नेता

तुम्हीं हो कल के....

हेमंत कुमार के गाये गीत को शकील बदायूनी ने लिखा था तथा नौशाद ने संगीत बद्ध किया था। वर्ष 1961 में ही आचार्य चतुरसेन की उपन्यास पर आधारित फिल्म 'धरम पुत्र' के गीत थे **'किसका लहू है कौन मरा'** जिसके संगीतकार दत्ता नाईक थे साहिर लुधियानबी ने शब्द रचना की थी रोमांचक गीत है जो आत्मा को झकझोरता है इसी फिल्म में मोहम्मद रफ़ी तथा आशा भोसले ने मोहम्मद इकबाल के लिखे गीत **'सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा'** को दत्ता नाईक के संगीत निर्देशन में अपनी आवाज दी।

1962 में आई फिल्म 'सन ऑफ इण्डिया' का एक गाना उस समय के बच्चों का प्रिय गीत बन गया था आज भी सुनकर मन मोहित हो जाता है बचपन में विद्यालय में इस गीत पर अभिनय करते हुए हम बड़े हुए **'नन्हा मुन्ना राही हूँ देश का सिपाही हूँ बोले मेरे संग जय हिंद'** - जिसे गाया था शान्ति मधुर और कोरस ने तथा संगीत दिया था नौशाद साहब ने। फिल्मों के साथ ही प्राईवेट गाने भी बहुत प्रचलित हुए। वर्ष 1963 में 6 जनवरी के दिन लता जी ने एक गाना गया -

ए मेरे वतन के लोगों तुम खूब लगाओं नारा

ये शुभ दिन है हम सबका लहराये तिरंगा प्यारा

इस गीत को कवि प्रदीप ने लिखा तथा संगीतबद्ध किया सी॰ रामचन्द्र ने जिसे गाया लता मंगेशकर ने था ये भी अपने समय का बहुत ही प्रचलित गीत रहा। 1964 में अपनी जान को हथेली पर लेकर चलने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के भावों को बड़े सुन्दर शब्दों में शकील बदांयूनी ने सजाया है -

'अपनी आजादी को हरगिज़ मिटा सकते नहीं,

सर कटा सकते हैं लेकिन सर झुका सकते नहीं'

जिसे उतने जोश से संगीतबद्ध किया है नौशाद ने तथा भावपूर्ण तरीके से गाया है मो. रफ़ी ने। **'कर चले हम फिदा-जान-ओ-तन साथियों'** ये गाना 1964 में रिलीज फिल्म **'हकीकत'** का है इस गाने को मोहम्मद रफी ने गाया था भारत-चीन युद्ध पर बनीं फिल्म का ये गीत आज भी लोगों की उस वेदना से साधारणीकृत करा देता है। जब हमारे जवान देश रक्षा के लिए प्राणों को खो रहे थे कर्तव्यनिष्ठा और परिवार को खोने का जो अर्न्तद्वन्द उनके शब्दों में, उनके चेहरे पर दिखाई दे रहा है उस वेदना को याद कर लोग आज भी भावुक हो जाते हैं। इस गीत को लिखा कैफी आज़मी ने था तथा गाया मोहम्मद रफी ने था जिसे संगीतबद्ध मोहन जी ने किया था।

वर्ष 1965 में हर युवा में जोश भरता एक गीत आया **'ए वतन ए वतन हमको तेरी कसम'**, जिसकी शब्द रचना तथा संगीत रचना प्रेम धवन जी की थी तथा उसे गाया मोहम्मद रफी ने था ये गीत अत्यन्त जोश पूर्ण है सुन्दर संगीत सभी में वीर रस का संचार कर देता है। इसी वर्ष की फिल्म **'सिकन्दर-ए-आज़म'** में अपने देश का गुणगान करते हुए एक गीत समस्त भारत वर्ष को उत्साह उमंग से भर देता है - **'जहाँ डाल डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा वो भारत देश है मेरा'** ये शब्द रचना थी। राजेन्द्र कृष्ण की तथा हंसराज बहल का संगीत व गाया मोहम्मद रफ़ी ने था।

1967 को आई फिल्म **'उपकार'** का गीत बहुत ही लोकप्रिय रहा **'मेरे देश की धरती सोना उगले-उगले हीरे मोती'** ग्राम्य संस्कृति का दिग्दर्शन कराते इस गीत को जोशीले अंदाज में गाया महेन्द्र कपूर ने तथा शब्द लिखे हैं इन्दीवर ने। ऐसी ही 1969 की लोकप्रिय फिल्म **'जिगरी दोस्त'** बनी जिसका गाना **'मेरे देश में पवन चले पुरवाई'** मुहम्मद रफी का बेहद सुरीला, खुशनुमा गीत है इसका संगीत लक्ष्मीकांत प्यारे लाल ने दिया इस गीत को लिखा आनन्द बक्शी ने था।

1970 **'हो दुल्हन चली हो पहन चली तीन रंग की चोली'** - पूरब और पश्चिम का सुमधुर गीत जिसे लिखा था इन्दीवर ने संगीतबद्ध कल्याण जी आनन्द जी ने तथा गाया महेन्द्र कपूर ने था ये गीत आज भी मन को मोह लेती है धीरे-धीरे गीत संगीत में परिवर्तन आया पाश्चात्य् संगीत, वेश विन्यास के मेल से तैयार फिल्म पूरब पश्चिम जिसका गीत- **'है प्रीत जहां की रीत सदा'** के भाव हैं दुनियाभर को हमारे देश ने क्या क्या दिया है, गीत की सुन्दर शब्द रचना इंदीवर जी ने की थी कल्याणजी-आनंदजी की जोड़ी ने इसकी धुन रची थी और महेंद्र कपूर ने अपनी सुरीली आवाज दी थी। इसी वर्ष फिल्म आई **'प्रेम पुजारी'** जिसमें मों. रफी तथा मन्ना डे का गाया गीत जोश भरता है **'ताकत वतन की हमसे है हिम्मत वतन की हमसे है'** बहुत लोकप्रिय हुआ जिसके शब्द नीरज ने लिखे तथा संगीतबद्ध एस. डी. बर्मन ने किया।

'दिल दिया है जान भी देंगे' - साल 1986 में दिलीप कुमार की फिल्म **'कर्मा'** का ये गाना अपनी शब्द रचना तथा सुन्दर संगीत रचना के कारण अत्यन्त मनमोहक है। इसे मोहम्मद अजीज और कविता कृष्णमूर्ति ने मधुरता से गाया था इस गाने को लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने संगीतबद्ध किया है।

अब 90 के दशक में अनेक फिल्में आईं जिनके गीत देशप्रेम को समर्पित थे, 1992 में रीलीज फिल्म रोज़ा शायद उस वर्ष की सबसे लोकप्रिय फिल्म रही। सुदृण पटकथा, उत्कृष्ट अभिनय के साथ ही ए. आर.

रहमान के संगीत निर्देशन में बंधे गीत हर उम्र वर्ग के लोगों की जुबान पर थे। सुब्रम्ण्यम् भारती की तमिल रचना का हिन्दी रूपान्तरण गीत **'भारत हमको ज़ान से प्यारा है'** आज भी सुनते ही मन भर आता है इसे गाया हरिहरन जी ने है। 1992 में फिल्म **'तहलका'** का गीत - **'ए भारत माँ तेरे चरनों में शीश चढ़ाने आए हैं'** आनन्द बक्शी ने लिखे हैं और इस गीत को आवाज दी थी मोहम्मद अजीज ने। **'कोयल कूके गीत सुनाये'** 1994 में **'दिल वाले दुल्हनियाँ ले जायेंगें'** इस फिल्म के इस गीत ने खासी प्रसिद्धी पायी इसकी शब्द रचना तथा गाया भी पामेला चोपड़ तथा मनप्रीत कौर ने, संगीतबद्ध जतिन ललित ने किया। फिल्म दिलजले वर्ष 1996 में बनी सफल फिल्मों में एक रही है। इसका गीत **'मेरा मुल्क मेरा देश'** देश भक्ति भावों से परिपूर्ण खूबसूरत गीत है जिसे गाया कुमार शानू और आदित्य नारायण ने, संगीतबद्ध अनु मलिक ने किया है और सुन्दर शब्द रचना जावेद अख्तर ने की है। **'संदेशे आते हैं'**- ये ऐसा गाना है जिसने भी 1997 बार्डर फिल्म देखी है उसने सुना उसकी आंखें नम हो गईं, इसका संगीत अनु मलिक ने दिया है गाने को सोनू निगम और रूप कुमार राठौर ने गाया है गाने के शब्द जावेद अख्तर ने लिखे हैं ये गाना हमारे जवानों के परिवार के भावों को बखूबी बयां करता है जिसे हम सुन कर, महसूस कर आज भी भावुक हो जाते हैं। इसी फिल्म का दूसरा गीत **'मेरे दुश्मन मेरे भाई'** अत्यन्त मार्मिक गीत है। इसे जावेद अख्तर ने लिखा तथा अनुमलिक ने संगीत रचना की इसे गाया हरिहरन ने है। **'मेरी जान हिन्दोस्तान'** जिसे शंकर महादेवन तथा सोनाली राठौर ने गाया था जिसके शब्द जावेद अख्तर ने लिखे तथा अनुमलिक ने संगीतबद्ध किया था। **'हिन्दुस्तान - मेरी आन, मेरी शान, मेरी जान'** गीत 1997 बार्डर फिल्म का है, अनुमलिक का संगीत है तथा शंकर महादेवन, सोनाली राठौर ने इसे गाया है। 1997 का ही एक दूसरा गाना भी सुपर हिट गया **'आय लव माय इण्डिया'** जिसे गाया शंकर महादेवन, हरिहरन, कविता कृष्णमूर्ति तथा आदित्य नारायण ने था यह गीत लोगों के मध्य अत्यन्त लोकप्रिय हुआ। 1997 में बन्दे मातरम् गीत को नये आवरण में रचकर ए. आर. रहमाने लाया वो जन-जन में लोकप्रिय हुआ अनेक नवीन शब्द जोड़े तथा कम्पोजीशन भी नये कलेवर में रची-बनी थी।

यही परम्परा बड़ते हुए बीस के दशक में भी जारी रही वर्ष 2000 में रिलीज फिल्म **'फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी'** का गीत- **'हम लोगों को समझ सको तो समझो दिलवर जानी'** इसके गीतकार थे जावेद अख्तर, संगीतबद्ध किया जतिन-ललित ने तथा गाया उदित नारायण ने है। वर्ष 2002 में रीलीज फिल्म 'द लिजेन्ड ऑफ भगत सिंह' का गीत - **'देश मेरा देश मेरी जान है तू'** जिसके शब्द समीर ने लिखे तथा संगीत रचना एवं गाया ए. आर. रहमान ने है। **'मां तुझे सलाम'** - सुन्दर शब्द ओजपूर्ण गायन शैली में रचा ये अत्यन्त मनमोहक गीत जन-जन को अपने साथ गाने को प्रोत्साहित कर देता है। साल 2002 में आई सनी देओल की फिल्म **'मां तुझे सलाम'** के इस गाने का संगीत शंकर महादेवन ने दिया था साथ ही इसे गाया भी उन्होंने ही था। एक जैसी ही शब्द रचना से प्रारम्भ किया गीत आगे के पंक्तियों में जिसके शब्द बदल गये **'अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों'** - ये गाना 2004 में आई फिल्म 'अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों' का है गाने के शब्द समीर ने लिखे थे, इस गीत को संगीतबद्ध अनु मलिक ने किया था गाने को अलका याग्निक, कैलाश खेर, सोनू निगम और उदित नारायण ने गाया था। ये गीत आने वाली पीढ़ी को अपने दायित्व का बोध कराते हुए वीर सेनानियों की व्यथा-कथा को व्यक्त करने का भावुक प्रयास है। **'ये जो देश है मेरा'**- साल 2004 में निर्मित फिल्म **'स्वदेश'** का है जिसे सुखविंदर सिंह ने गाया है गाने के

बोल जावेद अख्तर ने लिखे हैं जो बहुत ही सुन्दर है जिसकी संगीत संरचना ए. आर. रहमान ने किया है। वर्ष 2004 देश भक्ति की भावना से ओत-प्रोत फिल्मों के लिए विशिष्ट रहा 'लक्ष्य', 'वीर जारा', 'अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों' के गीत देश भक्ति की भावना से ओत-प्रोत रहे, लक्ष्य का गीत **'कन्धों से मिलते हैं कन्धे'** जिसे गाया शंकर, अहसान लॉय, सोनू निगम, हरिहरन, रूप कुमार राठौर ने तथा संगीतबद्ध किया था कुणालगांजी वाला ने और शब्द लिखें थे जावेद अख्तर ने। वर्ष 2004 में शाहरूख खान के द्वारा अभिनीत एक फिल्म बहुत ही लोकप्रिय रही **'वीर जारा'** इसका गीत संगीत बहुत ही समृद्ध रहा इसका एक गीत **'ऐसा देश है मेरा'** सुमधुर गीत है जिसके बोल जावेद अख्तर ने लिखा संजीव कोहली ने संगीतबद्ध किया तथा गाया लता जी, उदित नारायण, गुरूदासमान, पृथा मजुमदार ने था। 2006 में रिलीज़ **'फना'** फिल्म का गीत **'देश रंगीला'** को लिखा प्रसून जोशी तथा संगीत बद्ध जतिन ललित ने किया, बहुत ही खूबसूरत गीत को गाया महालक्ष्मी अय्यर ने है।

वर्ष 2016 की फिल्म **'चक दे इंडिया'** का टायटल सांग को आवाज सुखबिंदर सिंह ने दी तथा शब्द लिखे थे जयदीप सैनी ने तथा संगीतबद्ध सलीम-सुलेमान ने किया था। वर्ष 2018 सुप्रसिद्ध गीत रिलीज हुआ **'ये देश मेरी जान'** जिसे गाया शंकर महादेवन ने तथा शब्द रचना की आलोक श्रीवास्तव ने तथा संगीत दुश्यन्त ने दिया ये बहुत ही सुमधुरगीत था। वर्ष 2018 की फिल्म राजी में अरिजीत सिंह तथा सुनिधि चौहान का गाया गीत- **'ए वतन वतन मेरे आबाद रहे तू'** गीत गुलजार ने लिखा संगीतबद्ध शंकर अहसान लॉय ने किया इसने भी देशभक्ति की अलख जगायी। वर्ष 2019 फिल्म 'केसरी' का गीत - **'तेरी मिट्टी में मिल जावां'** जिसे मनोज मुन्तशिर ने लिखा तथा बी. प्राक ने गाया इसकी संगीत रचना अर्फो ने की। ये गीत भी पंजाब की माटी के वीर सपूतों की जिन्दा दिली को बयां करता खूबसूरत नगमा है।

वर्ष 2021 में बनी फिल्म 'शेरशाह' का एक गीत बहुचर्चित रहा **'जय हिंद जय हिंद की सेना'** - इस गीत को लिखा मनोज मुन्तशिर ने तथा संगीतबद्ध किया विक्रम मॉन्ट्रिस ने। इसी वर्ष में बनी फिल्म **'भुज'** का गीत **'देश मेरे तेरी शान पे सदके'** जिसे लिखा मनोज मुन्तशिर ने तथा अर्को ने संगीत संरचना की इस गीत को अपने मधुर कण्ठ से गाया अरिजीत सिंह ने।

जब देश भक्ति के लोकप्रिय गीतों की बात आती है तो **'हिंद देस के निवासी सभी जन एक हैं'** गीत सहसा जुबान पर आ जाता है ये किसी फिल्म विशेष से तो नहीं जुड़ा किन्तु लोकप्रिया के शिखर पर था कई वृत्तचित्रों में इसका प्रयोग हुआ है इसके शब्द रचनाकार थे बसन्त देसाई तथा संगीतबद्ध किया विनय चन्द्र मौदगल्य ने।

डॉ॰ मधु रानी शुक्ला

अनुक्रम

गान

1.	Tana Varana in Raga Balahamsa by Subbarama Dikshitar figured in Sangita Sampradaya Pradarshini	*Bindu J. R.*	3
2.	An Insight Into Nandanar Charitram of Gopalakrishna Bharati	*Dr. A.V.Sajini*	12
3.	इंदौर घराने के रूप में 'सुररंग', उस्ताद अमीर खां द्वारा एक नवीन खोज	*मनीष कुमार*	18
4.	'देवगंधर्व'- पंडित भास्कर बुवा बखले	*श्री प्रकाश पाण्डेय*	23
5.	शास्त्रीय संगीत में लोकसंगीत के तत्व	*दीपक कुमार यादव* *डॉ0 रशमिका मिश्रा*	28
6.	ठुमरी	*कविता तिवारी*	32
7.	Depiction and Celebration of Vasant Ritu in The Songs of Gurudev Rabindra Nath Tagore : An Overview	*Nibedita Shyam* *Prof. (Dr.) Sangeeta Pandit*	39
8.	Shabari – In Valmiki Ramayana and in Tyagaraja's Composition	*R. Nandhini* *Dr. V. Janaka Maya Devi*	44
9.	शास्त्रीय संगीत में बंदिशों का बदलता स्वरूप (पद्म विभूषण डॉ. प्रभा अत्रे द्वारा निर्मित तान प्रधान बंदिशों के विशेष संदर्भ में)	*डॉ. ममता रानी ठाकुर* *राम नारायण झा*	48
10.	श्रृंगार-परक बंदिशों में नायिका भेद	*कु॰ शालिनी* *प्रोफेसर रेवती साकलकर*	52
11.	मीरा बाई के पदों में संगीत	*प्रेरणा अग्रवाल*	57
12.	संगीत जगत में काशी के कतिपय युगल गायकों का योगदान	*अपर्णा पाण्डेय* *डॉ॰ श्वेता कुमारी*	62

13. उपशास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त रागों की व्यवहारिकता — *नीतू तिवारी*, *प्रो॰ शारदा वेलंकर* 67

आतोद्य

14. सितार वादन में सौन्दर्य बोध — *प्रो॰ बिरेन्द्रनाथ मिश्र* 73

15. Traditional Musical Instruments of Kashmir A Study — *Ishtaiq Ahmad Raina* 80

16. तत् वाद्यों में बेला का स्थान : एक अध्ययन — *खुश पॉल*, *डॉ. श्वेता कुमारी* 87

17. हारमोनियम की उत्पत्ति, उद्भव एवं विकास — *विक्की*, *डॉ॰ कुमार अम्बरीष चंचल* 92

नर्तन

18. The Interdependance of Dance & Architecture — *Dr. Parul Purohit Vats* 99

19. Transcendence of binary opposition between private and public sphere through feminine aesthetics in classical dance form — *Dr. Kanchana Goudar*, *Dr. Mangalagouri V. Manavade* 105

20. Impacts of Online Dance Education : Positives & Negatives. — *Dr. Charu Handa* 111

21. Dance and Gender Relations : A Study of Male and Female Interactions in Indian Classical Dance Classes — *Prof. Kusuma R.*, *Dr. Shridevi Aloor*, *Laxmi Balkrishnan* 116

22. Coins in Motion : Numismatic Representations of Dance in Religion, Commemoration & Cultural Identity — *Simer Preet Sokhi* 122

23. The Growth of Indian Classical Dance Over the Years : A Comparative Study between Bharatanâtyam and Kathak — *Prabin Villareesh*, *Dr. S. Bhuvaneswari* 130

24. Symbolism and Gestures in Bharatanâtyam : An Analysis of Mudrâs — *Prabin Villareesh*, *Dr. S. Bhuvaneswari* 135

25. ''संगीत में कथक नृत्य साधना में मन्दिरों की आवश्यकता'' — *कविता तिवारी* 140

26. साहित्य और नृत्य — *प्रेरणा अग्रवाल* 145

27. कथक नृत्य के साथ विभिन्न गायन शैलियों का प्रयोग — *डॉ॰ ज्ञानेश चन्द्र पाण्डेय, स्नेहा सिंह* 151

थाती

28. Culture of Punjab : Music, Dance, Fairs and Festivals — *Dr. Harjinder Kaur Sandhu* 159

29. राजस्थानी कालबेलिया और लोकनृत्य परंपरा — *डॉ॰ हर्षा त्रिवेदी* 166

30. उत्तर बंगाल के लोकनाट्यों में संगीत पूंज — *डॉ॰ जयंत कुमार बर्मन* 172

31. अवध की सोज़ख़्वानी परम्परा और संगीत — *डॉ॰ निष्ठा शर्मा* 178

32. छत्तीसगढ़ी का समृद्ध लोकसाहित्य — *डॉ॰ सरोज चक्रधर* 182

33. इक्कीसवीं सदी में भोजपुरी की गीत परंपरा : अश्लील और श्लील का परिदृश्य — *डॉ॰ धीरेंद्र प्रताप सिंह* 188

34. उत्तराखण्ड के लोकगीतों में देवलोक व जनलोक सम्बन्ध : एक अवलोकन — *डॉ॰ अर्चना डिमरी* 193

35. पूर्वांचल क्षेत्र में पत्यायुष्य अभिवर्धन निमित व्रत एवं कथाएं:एक परिचय — *विदुषी जायसवाल, डॉ॰ रंजना उपाध्याय* 198

अंकन

36. चित्रकार ए रामचंद्रन की कृतियों में महाकवि कालिदास के प्रकृति प्रेम का प्रभाव — *मिठाई लाल राज कुमार सिंह* 205

37. उत्तर प्रदेश की समसामयिक चित्रकला एक अध्ययन — *प्रियंका सिंह, डॉ॰ रवीश कुमार* 211

38. Mahavidyas : The Changing Mood in Visual Presentation — *Kartik Tripathi* 216

39. झांसी और दतिया के गोसाई सन्यासियों के मंदिरों की भित्ति चित्रकला एवं मूर्तिकला का अध्ययन — *माधवी निराला, डॉ॰ श्वेता पाण्डे* 222

40. मध्यकालीन साहित्य में चित्रात्मक रामकथा के दर्शन — *क्षमा द्विवेदी* 228

41. Socio-cultural and technical aspects of being miniature: *Prosenjit Raha*
With the reference to Kangra miniature paintings *Prof. Him Chatterjee*
Dr. Ritwij Bhawmik 232

42. दतिया की छतरियों में चित्रित राधा-कृष्ण के चित्रों का अध्ययन *बृजेश पाल*
डॉ॰ श्वेता पाण्डेय 238

सौन्दर्य

43. सौंदर्यशास्त्र की सांगीतिक संकल्पना *बबलू कुमार 'केतन'*
डॉ॰ सुरेंद्र कुमार 247

44. संगीत में सौन्दर्य *प्रियांशु घोष*
डा॰ रेवती साकलकर 254

45. नाट्य मंचन में संगीत के कलात्मक सौंदर्य का महत्व *हरकमलप्रीत सिंह*
डॉ॰ सर्वजीत कौर 257

प्रकीर्णक

46. बोध कथा *श्री शैलेन्द्र कपिल* 263

47. हिंदी कविता एवं नाटक विधा के विकास में अनुवाद की भूमिका *डॉ॰ अनुराधा पाण्डेय* 265

48. कबीर की आलोचनाओं का पुनर्पाठ *डॉ॰ मनीष कुमार मिश्रा* 270

49. संगीत का मनोवैज्ञानिक पक्ष एक अवलोकन *डॉ॰ शोभित कुमार नाहर* 275

50. संगीत एवं धर्म का अंतर्संबंध (भारतीय संगीत के सन्दर्भ में) *डॉ॰ शिल्पी नाहर* 278

51. The Role of Music in Physical & Mental Health *Manpreet Kaur* 281

52. लोक संगीत और शास्त्रीय संगीत का अंतर्संबंध *हनुमान प्रसाद गुप्ता* 285

53. 'पंकिल' के काव्य में संगीत-तत्व *आमोद प्रकाश चतुर्वेदी* 290

54. विभिन्नी शास्त्राग्रंथों में वर्णित कलाकार एवं भावक : *डॉ॰ अभिनव नारायण आचार्य*
एक लाक्षणिक विश्लेषण *डॉ॰ संगीता पंडित* 297

55. Recording to Mixing : Exploring the Evolving Field *Madhavi C. Mohan*
of Music Production in the Digital Age *Dr. A.V Sajini* 304

56. कथाओं व संगीत का अंतर्संबंध : एक अध्ययन *अशेष नारायण मिश्रा* 308

57.	काशी के कतिपय प्रमुख सांगीतिक समारोह	*संदीप मुखर्जी* *डॉ॰ कुमार अम्बरीष चंचल*	311
58.	संगीत का मनोवैज्ञानिक प्रभाव : एक चिन्तन	*विनय कुमार* *डॉ॰ के॰ ए॰ चंचल*	315
59.	A Study of Devadasi System in Travancore	*K. S. AKILASHRI* *Dr. T. N. SUSEELA*	320
60.	Traversing Through The Regional Variations In The Ritualistic Performance of Kuthiyottam	*Gadha T. R.* *Rajalekshmi P.* *Dr. Krishnajamol K.*	323
61.	ग्वालियर घराने के ख्याल गायन शैली : वर्तमान समय में हुए बदलावों के परिप्रेक्ष्य में	*प्रियंका सहवाल*	334
62.	साहित्य संस्कृति व राजनीति	*डॉ॰ रूचि मिश्रा*	337
63.	महाकवि भास प्रणीत उरुभंग व्यायोग का साहित्यिक अनुशीलन	*अतुल खजूरिया*	341
64.	आत्मोत्थान में सहायक संगीत	*कृष्ण कुमार तिवारी*	349
65.	Piyali Sadhukhan's Broken Bangle Collages	*Piyali Sadhukhan* *Harshika Maan* *Anjali Duhan Gulia*	353